



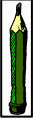
एक अनोखा स्कूल

अगली सुबह नौजवान जादुगरनीयां कमरे में दाखिल हुईं जहां जादु का शरबत बनाने की परीक्षा होने वाली थी. हमेशा की तरह इमितहान के समय की चिन्ता का माहोल छाया था. हर छात्रा यही सोच रही थी कि किया उसे सारे सूत्र अच्छी तरह से याद हैं. एक मेरी हमसाई जो कलास की जादुगरनीयों में सब से बड़ी थी, उसे कोई चिन्ता नहीं थी इसलिए कि उस को हमेशा सब कुछ आता था और ऐसी परीक्षा उस के लिए एक छोटी बात थी. उस ने हाथ उठाया और पुछा :

- मेडम, किया हमें अपनी किताब में देखने का अधिकार है ?
- चलें सब लड़कीयां अपनी अपनी जगह पर जाएं ! जलदी करें ! अध्यापक ने हुकम दिया. हर छात्रा की एक कड़ाही है और कोई भी बात न करे.

आज की परीक्षा के लिए आप को एक ऐसा शरबत बनाना है जिस को पी कर बहुत हंसी आए लेकिन किताबों में देखना मना है. वहां आप, अपनी पुस्तक तुरन्त बन्द करें. अब आप काम खामोशी से शुरू करें और जब काम खतम करलें तो उस का नतीजा देखने के लिए आप को खुद शरबत चखना होगा. चलें, शुरू करें.

जिल मरफी की किताब *आमान्दीन मालाबुल, फूहड़ जादुगरनी* से उद्धरण



सही जवाब पर गोल दायरा बनाओ

- 1 इस उद्धरण का लेखक कौन है ?
आमान्दीन मालाबुल जिल मरफी अध्यापक
- 2 यह कलास कियुं और कलासों की तरह नहीं है ?
छात्राओं बहुत कम उमर हैं
अध्यापक बहुत कठोर है
सब छात्राओं जादुगरनीयां हैं
- 3 परीक्षा कि दौरान छात्राओं एक दुसरे की मदद कर सकती हैं ?
हां नहीं थोड़ी सी
- 4 अध्यापक कैसे जाँचती है कि छात्रा परीक्षा में सफल होगई है ?
छात्रा जोर से हंसने लगती है
छात्रा चुप रेहती है
छात्रा बातचीत करना शुरू करती है

...../2 +/2 +/2 +/2 + =/8